Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________

(Name) ____________________

2. (Signature) ____________________

(Name) ____________________

Roll No. | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. ____________________

(In words)

Test Booklet No.

J—1009

PAPER—III

SOCIAL WORK

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **40** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be repplaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**

SOCIAL WORK

सामाजिक कार्य

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: **This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.**

नोट : **यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।**

SECTION - I
खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks. **(5x5=25 marks)**

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है। **(5x5=25 अंक)**

Even from this perspective social work will continue to be in the nature of an interventive action for the enhancement of the social functioning of individuals and groups. It will achieve this end through helping individuals and communities to grapple with problems of change at the social and psychological levels. But, this perspective will lead social work beyond its confines. It will additionally identify and promote values and practices necessary for the realisation of human rights through the use of means which are consistent with the rights of other individuals and groups. While this position is not unacceptable to social workers and will not appear new in its orientation, it has the advantage of clarifying what the moorings and long-term objectives of social work are. It will disturb the complaisance of the individual social worker who may be tempted to acquiesce in the values of the local community even they conflict with the broader sympathies of the profession. It will require and compel the organised profession to take clear positions on social issues. As distances are reduced by the development of faster means of communication, we are going to be faced with the fact that the world is peopled by many races that speak many languages. In the midst of a plurality of cultures and values there will be need for affirmation of one acceptable common denominator. The Declaration of Human Rights provides this necessary standard and direction to all constructive action.

Within the limitations imposed by the need for constructive action this perspective will give social work a role to play in societies which are economically advanced as well as those which are economically backward and societies which have generally accepted the values articulated in the Declaration of Human Rights and those which have not.

This exploration into the relationship between human rights and social work was begun in a tentative mood. I have tried to suggest that the relationship between human rights and social work can be understood better if we have an appreciation of the extent of value commitment to human rights which is characteristic of a society and its ability to transcribe this commitment into a programme of action. This commitment and ability to transcribe it into action may vary not only from society to society but even between groups in one society and with respect to different facets of the declaration of human rights. This varying equation between commitment and ability (or viability) provides one of the major determinants for the type of social work practice that will emerge or stabilise itself. And since this equation is a varying one our concept of the nature of social work will have to be broad enough to provide for the variations in practice.

इस परिप्रेक्ष्य से भी, व्यक्तिओं और समूहों की सामाजिक क्रियाशीलता बढ़ाने के लिए समाज कार्य की हस्ताक्षेप सम्बन्धी क्रिया की प्रकृति बनी रहेगी। व्यक्तियों और समुदायों की सामाजिक और मनोवैज्ञानिक स्तर की समस्याओं के साथ जूझने में सहायता के माध्यम से इस लक्ष्य की प्राप्ति होगी। परन्तु यह परिप्रेक्ष्य समाज कार्य को उसकी परिसीमाओं के परे ले जायेगा। इससे, अन्य व्यक्तियों और समूहों के अधिकारों के साथ, समरूपी संसाधनों के प्रयोग के माध्यम से मानवाधिकारों की प्राप्ती के लिए आवश्यक मूल्यों एवं अभ्यासों की और ज्यादा पहचान एवं बढ़ोत्तरी होगी। यह स्थिति जबकि समाज कार्यकर्ताओं को अस्वीकार्य नहीं है और यह अपने अभिमुखीकरण में नवीन रूप से प्रकट नहीं होगी, इसका एक लाभ है कि यह स्पष्ट कर देती है कि समाज कार्य

के आधार और दीर्घ–कालिक उद्देश्य क्या है ? यह व्यक्तिगत रूप से समाज कार्यकर्त्ता की शिष्टता को भंग करेगी, जबकि वह स्थानीय समुदाय के मूल्यों के साथ रजामंद होने के लिए प्रलोभित होगा, तबभी जबकि वे, समाज कार्य के व्यवसाय के व्यापक सहानुभूति के विरूद्ध है। यह आवश्यक और बाध्य करेगा कि संगठित व्यवसाय सामाजिक मुद्दों पर अपने स्पष्ट दृष्टिकोण परिलक्षित करे। जब संचार के शीघ्र माध्यमों के विकास द्वारा दूरियाँ कम हो जाती हैं, तो हमें इस तथ्य का सामना करना होगा कि विश्व में बहुत सी प्रजातियों के लोग रहते हैं जो बहुत सी भाषाऐं बोलते हैं।

संस्कृतियों एवं मूल्य बहुरूपता के मध्य एक स्वीकार्य सर्व सामान्य मूल्य मापदंड की आवश्यकता होगी। मानवाधिकारों की उद्घोषणा, यह आवश्यक मापदंड और समस्त रचनात्मक क्रिया को दिशा प्रदान करती है। रचनात्मक क्रिया की आवश्यकता द्वारा आरोपित सीमाओं के अन्दर, यह परिप्रेक्ष्य समाज कार्य को उन समाजों में निभाने के लिये भूमिका देगा जो, आर्थिक रूप से उन्नत हैं और जो आर्थिक रूप से पिछड़े हुए हैं, और उन समाजों में जो जिन्होंने मानवाधिकारों की उद्घोषणा में सुव्यक्त मूल्यों को सामान्य रूप से स्वीकार कर लिया है और वो, जिन्होंने स्वीकार नहीं किया है।

मानवाधिकारों और समाज कार्य के मध्य सम्बन्ध की यह जाँच प्रायोगिक सोच के रूप में प्रारम्भ हुई थी। मैंने यह बताने की कोशिश की है कि मानवधिकारों और समाज कार्य के बीच सम्बध को और भी अच्छे से समझा जा सकता है यदि, हम मानावाधिकारों के प्रति मूल्य प्रतिबद्धता की सीमा की प्रशंसा करते हैं, क्योंकि मानवाधिकार, समाज की विशेषता है और इस प्रतिबद्धता को कार्य रूप में बदलने की उसकी योग्यता है।

उसे कार्य रूप में बदलने की प्रतिबद्धता एवं योग्यता न सिर्फ समाज–समाज में भिन्न होती है, परन्तु एक समाज में समूहों के बीच भी भिन्न होती है, और मानवाधिकारों की उद्घोषणा के भिन्न पहलुओं के सम्बध में भिन्न होती है। प्रतिबद्धता और योग्यता (या व्यवहार्यता) के बीच परिवर्तनशील समता व्यवहार में समाज कार्य अभ्यास के प्रकार, जो की उभर कर आयेगा और अपने को स्थिर करेगा, के लिये मुख्य निर्धारक प्रदान करता है, और क्योंकि यह समता परिवर्तनशील है, समाज कार्य की प्रकृति की हमारी अवधारणा व्यापक होनी चाहिए ताकि अध्ययन में परिवर्तनशीलता के लिये व्यवस्था की जा सके।

1. In what manner will the human rights perspective continue to be relevant in the context of a changing development scenario ?

बदलते हुए विकास परिदृश्य के संदर्भ में मानवाधिकार परिप्रेक्ष्य किस प्रकार से प्रासंगिक बना रहेगा ?

2 What additional values does social development promote and how can social work relate with these new values ?

सामाजिक विकास किन अतिरिक्त मूल्यों को बढ़ावा देता है और समाज कार्य इन नवीन मूल्यों के साथ किस प्रकार सम्बन्ध जोड़ सकता है ?

3. What are the major determinants for the emerging type of social work practice ?

समाज कार्य अभ्यास के उभरते प्रकार के मुख्य निर्धारक क्या हैं ?

4. Identify the common denominator for social work in a plurality of cultures and values.

संस्कृतियों और मूल्यों की बहुलता में समाज कार्य के लिए सर्व सामान्य मापदंड की पहचान कीजिए।

5. How can the relationship between human rights and social work be better understood ? Explain.

मानवाधिकारों और समाज कार्य के मध्य सम्बन्ध को किस प्रकार अधिक अच्छे ढंग से समझा जा सकता है ? व्याख्या कीजिए।

SECTION - II

खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों के है।

(5x15=75 अंक)

6. Distinguish between mean and median.

माध्य एवं माध्यिका के बीच अन्तर कीजिए?

7. Differentiate between social insurance and social assistance.
सामाजिक बीमा और सामाजिक सहायता के बीच अन्तर कीजिए।

8. What is a coping mechanism ? Give examples.
समायोजी क्रियाविधि क्या है ? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

9. What are the salient features of National Mental Health Act, 1987 ?

राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य अधिनियम, 1987 की मुख्य विशेषताएं क्या हैं ?

10. What are the limitations of statistical methods in social work research ?

समाज कार्य शोध में सांख्यिकीय विधियों की सीमाएँ क्या हैं ?

11. Differentiate between strategic gender needs and practical gender needs.

लिंग-व्यावहारिक आवश्यकताओं एवं लिंग सामरिक आवश्यकताओं के बीच अन्तर कीजिए।

12. Briefly explain the place of supervision in social work training.

समाज कार्य प्रशिक्षण मे अधीक्षण का क्या स्थान है, संक्षेप में समझा कर स्पष्ट कीजिए।

13. What is the significance of Human Development Index ?

मानव विकास सूचकांक का महत्व क्या है ?

14. Define community and discuss its characteristics.

समुदाय की परिभाषा दीजिए और उसकी विशेषताओं की विवेचना कीजिए।

15. Enlist the essential features of Domestic Violence Act, 2005.

घरेलू हिंसा अधिनियम, 2005 की मुख्य विशेषताओं को सूची बद्ध कीजिए।

16. What is social change ? List out the different theories of social change.

सामाजिक परिवर्तन क्या है ? सामाजिक परिवर्तन के विभिन्न सिध्दान्तों को सूचीबद्ध कीजिए।

17. Listout the merits and demerits of globalization.

वैश्वीकरण के गुणों एवं अवगुणों को सूचीबद्ध कीजिए।

18. What is women's empowerment ?

महिला सशक्तीकरण क्या है ?

19. Social work research involves action research. Comment.

समाज कार्य शोध में क्रियात्मक शोध अंतर्निहित है । टिप्पणी कीजिए।

20. Differentiate between sex and gender.

यौन एवं लिंग के बीच अन्तर स्पष्ट कीजिए ।

SECTION - III

खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose **only one** elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को केवल **एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता** को चुनकर उसी में से पाँचो प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

Elective - I

विकल्प – I

21. "Is it justifiable to call functional theory of Labour Welfare as modern theory of Labour Welfare". Comment.

"क्या श्रम कल्याण के प्रकार्यात्मक सिद्धान्त को श्रमकल्याण का आधुनिक सिद्धान्त कहना न्यायसंगत है"? टिप्पणी कीजिए।

22. Critically evaluate the impact of absenteeism on employee and employer.

कर्मचारी और नियोक्ता पर अनुपस्थिति रहने की प्रवृति के प्रभाव की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए।

23. Examine the various approaches of Collective Bargaining.

सामूहिक सौदेबाजी के विभिन्न अभिगमों का परीक्षण कीजिए।

24. Critically examine the implications of Lack of unionization among BPO employees.

बी पी ओ कर्मचारियों के बीच संघीकरण के अभाव के निहितार्थों को आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

25. Examine the application of Methods of social work in Industrial setting.

औद्योगिक क्षेत्र में समाज कार्य की विधियों के अनुप्रयोग की जाँच कीजिए।

OR / अथवा

Elective - II

विकल्प – II

21. Describe the nature of preventive and ameliorative physical and mental health services to be offered to the flood affected persons from Bihar.

बिहार के बाढ़ पीड़ित व्यक्तियों को निवारक एवं सुधारक शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

22. Discuss the social and psychological factors related to breast cancers in Indian women. Work out a plan of intervention with patient and the family.

भारतीय स्त्रियों में वक्ष कैंसर से सम्बन्धित सामाजिक और मनोवैज्ञानिक कारकों की विवेचना कीजिए। रोगियों एवं परिवार के साथ कार्य करने की हस्तक्षेप की योजना तैयार कीजिए।

23. Explain the term "Assisted Reproductive Technology (ART)" and critically bring out the social and ethical implications of this technology in Indian context.

''एसिस्टिड रिप्रोडक्टिव टैकनोलौजी (ART)'' उपवाक्य की व्याख्या कीजिए और भारतीय संदर्भ में इस टैकनोलौजी के सामाजिक एवं नैतिक निहितार्थों की आलोचनात्मक रूप से व्याख्या कीजिए।

24. Clearly explain the term "Anorexia Neroosa." Discuss the causative factors, manifestation and remedial measures.

''एनोरेक्सिया नरवोसा'' शब्द को स्पष्ट रूप से व्याख्या कीजिए। इसे उत्पन्न करने वाले कारणों, अविर्भाव और उपचारी उपायों की विवेचना कीजिए।

25. Examine the recommendations of the Health Survey and Planning Committee (Mudaliar Committee) 1959 to the current health scenario in India.

भारत में वर्तमान स्वास्थ्य रूपरेखा के सन्दर्भ में स्वास्थ सर्वेक्षण एवं नियोजन समिति (मुदालियर) 1959 की सिफारिशों की परीक्षा कीजिए।

OR / अथवा

Elective - III
विकल्प – III

21. Evaluate the impact of government programmes meant for rural non-student youth. Suggest improvements.
गैर-विद्यार्थी ग्रामीण युवाओं के लिये सरकारी कार्यक्रमों के प्रभावों का मूल्यांकन कीजिए इनमें सुधार के लिए सुझाव दीजिए।

22. Despite planned Tribal Development programmes, the tribals are yet to be integrated into the mainstream of the society - Elucidate
"नियोजित जनजाति विकास कार्यक्रमों के बावजूद, जनजातियों को अभी भी समाज को मुख्य धारा में एकीकृत करना बाकी है"- स्पष्ट कीजिए।

23. Evaluate the contribution of Women's Self Help Groups towards poverty reduction in urban communities.
नगरीय समुदायों में गरीबी कम करने की दिशा में महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों के योगदान का मूल्यांकन कीजिए।

24. Community organisation is more a political than a social process - Comment.
"समुदायिक संगठन सामाजिक प्रक्रिया से ज्यादा राजनैतिक प्रक्रिया है।" टिप्पणी कीजिए।

25. Examine the significance of the Panchayats (Extension to the Scheduled Areas) Act, 1996 to tribal local self - governance.
जनजाति स्थानीय स्वायत्त-शासन के लिए पंचायत (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) अधिनियम, 1996 के महत्व का परीक्षण कीजिए।

OR / अथवा

Elective - IV
विकल्प – IV

21. Discuss the contribution of Family Counsellors in reducing the divorce rates in India.
भारत में तलाक की दरों को कम करने के लिये परिवार परामर्शदात्ता के योगदान की विवेचना कीजिए।

22. What are the implications of women working in Business Process Out Sourcing (BPO's) to their family and marital life ?
बी पी ओ'स में काम करने वाली स्त्रियों के परिवार और वैवाहिक जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है ?

23. Write a critical note on the Governmental and non-Governmental effort to control the problem of child labour in India.
भारत में बाल श्रम की समस्या को नियंत्रित करने के सरकारी एवं गैर-सरकारी प्रयासों पर आलोचनात्मक टिप्पणी लिखिए।

24. What are the specific family problems of migratory labour in India.

भारत मे प्रवसनीय मजदूरों की परिवार सम्बधी विशिष्ट समस्याऐं क्या है ?

25. Critically bring out the gains of the 'Persons with Disability Act, 1995' to the disabled.

बाधित व्यक्तियों के लिए 'परसनस् विद डिसएबिलिटी एक्ट, 1995 के लाभों की आलोचनात्मक रूप से व्याख्या कीजिए।

OR / अथवा

Elective - V

विकल्प – V

21. What is the difference between institutional and community based treatment of offenders and what are their respective advantages and limitations ?

अपराधियों की संास्थानिक एवं समुदाय आधारित उपचार के बीच क्या अन्तर है और उनके अपने-अपने क्या लाभ एवं सीमाएं हैं ?

22. Critically examine the social and legal dimensions of Crime.

अपराध के सामाजिक एवं कानूनी आयामों की आलोचनात्मक परीक्षा कीजिए।

23. Capital punishment should be abolished. Give your arguments.

'मृत्यु दंड को समाप्त कर देना चाहिए' इस के सम्बध में अपने तर्क दीजिए।

24. Explain main features of differential opportunities in explaining the criminal behaviour.

अपराधिक व्यवहार को स्पष्ट करने में विभेदी अवसरों की मुख्य विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

25. What legal framework is in place in India to deal with cyber crimes ?

साईबर अपराधों से निपटने के लिए भारत में विद्यमान कानूनी ढांचा क्या है ?

SECTION - IV

खण्ड – IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics. This question carries 40 marks.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंको का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. Bring out the impact of globalization on ageing. Develop a plan for social work intervention to deal with its effects.

वृद्धावस्था पर वैश्वीकरण के प्रमाव का वर्णन कीजिए। इसके प्रभावों से निपटने के लिए समाज कार्य हस्तक्षेप की योजना तैयार कीजिए।

OR / अथवा

Critically evaluate the achievement of Millennium Development goals in India.

भारत वर्ष में सहस्त्राब्दि विकास के लक्ष्यों की उपलब्धियों का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

OR / अथवा

Critically analyze the merits and demerits of public-private partnership model in the provision of health care services to the poor in India.

भारत वर्ष में गरीबों के स्वास्थ्य संरक्षण सेवाओं के प्रावधान में सरकारी एवं गैर सरकारी सहभागिता के प्रारूप के गुणों एवं अवगुणों का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....